भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 460

3 फरवरी, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

हानिकारक खाद्य योजकों और सिंथेटिक (कृत्रिम) रंगों से होने वाले स्वास्थ्य जोखिम

460 श्री के. आर. एन. राजेश कुमार:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में हानिकारक खाद्य योजकों और सिंथेटिक रंगों जैसे टाइटेनियम डाइआक्साइड, सनसेट यलो, टार्ट्राजिन और एल्यूरा रेड एसी से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों से अवगत है;
(ख) इन खाद्य योजकों और सिंथेटिक रंगों से कैंसर पैदा करने वाले या एलर्जी वाले प्रभावों का आकलन करने वाली वैज्ञानिक या नियामक समीक्षाओं के निष्कर्षों का ब्यौरा क्या है;
(ग) सरकार द्वारा पूर्व में वर्ष-वार प्रतिबंधित किए गए योजकों के नाम क्या-क्या हैं और उनकी संख्या कितनी है;
(घ) अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबधों को ध्यान में रखते हुए योजकों को विनियमित या प्रतिबंधित करने के लिए क्या कदम उठाए गए; और
(ङ) क्या सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं के अनुरूप खाद्य सुरक्षा मानकों को संशोधित करने की योजना बना रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ङ): भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को खाद्य पदार्थों के लिए विज्ञान आधारित मानक निर्धारित करने और मानव उपभोग के लिए सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु उनके विनिर्माण, भंडारण, वितरण, बिक्री एवं आयात को विनियमित करने का दायित्व सौंपा गया है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियम, 2011 के अनुसार खाद्य उत्पादों में उपयोग के लिए अनुमत कृत्रिम रंग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत कोडेक्स मानकों, अर्थात् कोडेक्स एलमेंटेरियस आयोग द्वारा अपनाए गए खाद्य योजकों के सामान्य मानक के अनुरूप होते हैं।

उपयोग के लिए अनुमत खाद्य योजकों की सूची खाद्य सुरक्षा एवं मानक (खाद्य उत्पाद मानक एवं खाद्य योजक) विनियम, 2011 के परिशिष्ट क में दी गई है, जो एफएसएसएआई की वेबसाइट https://fssai.gov.in/upload/uploadfiles/files/Appendix%20A(4).pdf पर उपलब्ध है। खाद्य सुरक्षा मानक स्वतंत्र जोखिम मूल्यांकन निकायों, अर्थात वैज्ञानिक पैनल और वैज्ञानिक समिति द्वारा प्रदान की गई वैज्ञानिक राय के आधार पर बनाए जाते हैं तथा ये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत कोडक्स मानकों के अनुरूप होते हैं। इसके अलावा, उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्य और मान्यता प्राप्त सर्वोत्तम वैश्विक पद्धतियों के आधार पर समय-समय पर मानकों की समीक्षा भी की जाती है।

****